अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक महिलाओं की पंहुच के लिए जन संवाद का आयोजन 09 मार्च, 2017 चित्तौडगढ ! जन स्वास्थ्य अभियान राजस्थान, नेषनल फाउण्डेषन ऑफ इण्डिया एवं प्रयास के संयुक्त तत्वावधान में 8 मार्च 2017 सूचना केन्द्र परिसर उदयपुर में आयोजित महिला स्वास्थ्य जनसंवाद में दक्षिणी राजस्थान के सभी जिलों से भाग लेने आये लगभग 200 संभागियों को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर संभागियों को संबोधित करते हुए डॉआर.एन बैरवा संयुक्त निदेषक उदयपुर जोन ने कहा कि महिला स्वास्थ्य को बेहत्तर बनाकर ही महिला सषक्तिकरण के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। राज्य द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य संवर्द्वन हेतु अनेक योजनाएं प्रारम्भ की गयी है। किन्तु वांच्छित लक्ष्य प्राप्त करने में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक बांधाएं बनी हुई है। सभा को संबोधित करते हुए सुखाडिया विष्वविद्यालय के दर्षनषास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुधा चौधरी ने अपने व्यक्तव्य में कहा कि सन् 1857 में जब भारत में स्वाधीनता के लिए संग्राम प्रारम्भ था उस समय अमेरिका में महिलाएं समान वेतनमान एवं बेहत्तर कार्य व्यवस्था के लिए संग्राम कर रही थी। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि पुत्र सत्तात्मक व्यवस्था भी लिंग भेद के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने आहवान किया कि महिलाओं को पराधिनता की इस जकडन से निकल कर अपने सही व्यक्तित्व का उपयोग करना चाहिएं। सभा को संबोधित करते हुए अमृत क्लिनिक की षिषु रोग विषेषज्ञ डॉ. सजना मोहन ने महिला स्वास्थ्य की कमजोर स्थिति पर अपनी चिन्ता प्रकट की । उन्होंने कहा कि देष में और इस क्षैत्र में आधी से अधिक महिलाएं कुपोषित एवं एनिमिया से ग्रसित है। जिसका मुख्य कारण जीवन पर्यन्त अपर्याप्त भोजन है। सभा को संबोधित करते हुए वृत निरीक्षक श्रीमती चेतना भाटी ने कहा कि बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जो भी आवष्यक कदम उठाने हो उठाने चाहिए । इस संदर्भ में उन्होंने एक कविता पाठ किया एवं महिलाओं को सषक्त बनाने के लिए कई उदाहरण प्रस्तुत किये। सभा को गृह विज्ञान महा विद्यालय की पूर्व प्राचार्या प्रो. शोभा नन्दवाना ने प्रजनन अधिकारों एवं अन्य राजकीय योजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान की । सभा को उदयपुर जिले की अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉरागिनी अग्रवाल ने भी संबोधित किया । इस जनसंवाद में दक्षिणी राजस्थान के विभिन्न जिलों में स्वास्थ्य सेवाओं की अनुपलब्धता अथवा अपूर्ण सेवा मिलने से संबंधित 20 प्रकरण प्रस्तुत किये गये । डॉ. बैरवा ने इन प्रकरणों के निराकरण हेतु आवष्यक जांच कर समाधान के लिए संबंधित को निदेर्षित करने का आष्वासन दिया। इस जन संवाद को गोपाल जी तलदार करूणा फाउण्डेषन बांसवाड़ा, कोदर लाल बुनकर प्रगति ग्रामीण विकास सेवा संस्थान बांसवाडा, देवा बाई आस्था संस्थान, हीरा लाल बारावरदा, हरलाल बैरवा आदि ने संबोधित किया । सभा के प्रारम्भ में विभिन्न जिलो से आयी हुई महिलाओं ने श्रीमती रेखा नागदा एवं जोनी गमेती के नेतृत्व में महिला सषक्तिकरण के गीत, नृत्य एवं नारों से सभी में जोष भरा। सभी का स्वागत प्रयास के

श्री रामेष्वर शर्मा और गोवर्धन यादव ने किया और धन्यवाद श्रीमती उमा आमेरा ने किया। सादर प्रकाषनार्थ ! (कार्यक्रम प्रभारी)